न्यूज डायरी

आतंकियों को शरण देता था पाक, ट्रंप ने बंद की अरबों डॉलर की सैन्य सहायता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। भारतीय–अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी की नेता निक्की हेली ने कहा है कि पाकिस्तान आतंकवादियों को शरण देता था, इसलिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अरबों डॉलर की सैन्य सहायता को रोक दिया है। संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान के शरण दिए हुए यही आतंकवादी अमेरिकी सैनिकों की हत्या करने का प्रयास करते थे। फिलाडेल्फिया में एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निक्की हेली ने ट्रंप के विदेश नीति की जमकर प्रशंसा की। साउथ कैरोलिना की दो बार गवर्नर रहीं निकी हेली अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति प्रशासन में पहली कैबिनेट रैंक की मंत्री रह चुकी हैं। निकी हेली राष्ट्रपति चुनाव प्रचार में डोनाल्ड ट्रंप के लिए समर्थन मांग रही हैं।
निकी हेली ने कहा, हम पाकिस्तान को अरबों डॉलर की सैन्य सहायता दे रहे हैं जो आतंकवादियों को शरण दे रहा है।

इमरान खान ने मार्क जुकरबर्ग को लिखा लेटर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने फेसबुक पर इस्लाम के प्रति नफरत फैलाने वाले कंटेट को बैन करने की मांग की है। इमरान खान ने फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को लेटर लिखकर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर इस्लामोफोबिक कंटेंट पर प्रतिबंध लगाने की बात कही। हालांकि फेसबुक की तरफ से अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इमरान खान ने कहा कि जिस तरह फेसबुक ने हालोकास्ट पर सवाल और आलोचना करने पर बैन लगाया, उसी तरह इस्लामोफोबिया से जुड़े कंटेंट पर भी रोक लगाई जाए। पाकिस्तान सरकार और इमरान खान ने अपने लेटर को ट्विटर पर शेयर किया है। पत्र में इमरान ने लिखा है, 'मैं आपका ध्यान दुनिया में बढ़ रहे इस्लामोफोबिया के मामलों की तरफ ले जाना चाहता हूं। सोशल मीडिया और खासकर फेसबुक के जरिए पूरी दुनिया में इस्लाम के प्रति नफरत बढ़ रही है। इमरान ने अपने लेटर में यहूदियों के खिलाफ हिटलर के हॉलोकास्ट का जिक्र करते हुए इससे जुड़े कंटेंट पर फेसबुक के बैन की सराहना की।

ट्रंप बोले–जो बाइडेन से पीछे नहीं हूं, अच्छा चल रहा है प्रचार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 3 नवंबर को होने हैं। जबकि मतदान का सिलसिला बहुत पहले से ही शुरू हो चुका है। अमेरिका में इस तरह की वोटिंग को अर्ली वोटिंग कहा जाता है। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के इतिहास में इसे अब तक का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव बताते हुए कहा है कि उनका चुनाव प्रचार अभियान खास तौर पर कड़े मुकाबले वाले कुछ राज्यों में बहुत अच्छी तरह से चल रहा है।
वहीं, ट्रंप ने मीडिया में आई उन खबरों और चुनावी आंकड़ों को खारिज कर दिया, जिनमें उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन से पीछे दिखाया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल के लिये जोरशोर से चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं और उनकी योजना रोजाना कई रैलियों को संबोधित करने की है।

शरीफ ने पाक सेना, आईएसआई प्रमुख पर निशाना साधा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने देश की मौजूदा राजनीतिक हालत के लिये सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को जिम्मेदार ठहराया वहीं विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अपनी तीसरी विशाल संयुक्त रैली आयोजित की। देश में 11 विपक्षी दलों के गठबंधन 'पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट' (पीडीएम) का गठन 20 सितंबर को खान को सत्ता से बाहर करने के लिये किया गया है। गठबंधन ने इस महीने गुजरांवाला और कराची में एक के बाद एक दो विशाल सभाएं कीं। तीसरी रैली का आयोजन अशांत बलोचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में रविवार को किया गया।

आर्मीनिया–अजरबैजान के बीच नागोर्नो–काराबाख में जंग जारी

चेतावनी

रूस ने तुर्की समेत अन्य विदेशी ताकतों को दी चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बाकू। आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच नागोर्नो–काराबाख इलाके में पिछले 29 दिनों से जारी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों से आर्मीनिया और अजरबैजान मानवीय संघर्ष विराम के लिए तैयार हो गए थे लेकिन अब एक बार फिर से दोनों के बीच में गोलाबारी शुरू हो गई है। उधर, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लवरोव ने इशारों ही इशारों तुर्की समेत अन्य विदेशी ताकतों को चेतावनी दी है।

आर्मीनिया और अजरबैजान दोनों ने ही एक–दूसरे पर कराबाख के पूर्वोत्तर इलाके में सीजफायर के उल्लंघन का आरोप लगाया है। आर्मीनिया के रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता शुशान स्टेपनयान ने एक बयान जारी करके कहा, अमेरिका के सहयोग से हुए मानवीय सीजफायर पूरी तरह से उल्लंघन हुआ है और अजरबैजान की सेना ने नागोरनो–कराबाख के पूर्वोत्तर इलाके में तोपों से बम के गोले बरसाए हैं।

इस बीच आर्मीनिया के प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि वह सीजफायर का कड़ाई से पालन करेंगे। उधर, अजरबैजान ने भी आर्मीनिया पर लाचिन जिले में गोलाबारी का आरोप लगाया है। अजरबैजान ने कहा कि आर्मीनिया की सेना मानवीय सीजफायर का उल्लंघन कर रही है और उसने 26 अक्ष्टूबर को शहरों और गावों को निशाना बनाकर गोलाबारी की है। इस जंग में अब तक दोनों ही पक्षों से 5 हजार सैनिक और लोग मारे गए हैं।

इस बीच रूस ने इशारों ही इशारों तुर्की, इजरायल समेत अन्य विदेशी ताकतों को गंभीर चेतावनी दी है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लवरोव ने कहा कि इस संकट का राजनयिक समाधान मुमकिन है। उन्होंने सभी विदेशी ताकतों को चेतावनी दी कि वे इसके सैन्य समाधान को बढ़ावा देना बंद कर दें। लवरोव ने कहा कि यह कोई सीक्रेट नहीं है कि हम इस समस्या के सैन्य समाधान की संभावना का समर्थन नहीं करते हैं।

रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि हमारा मानना है कि आर्मीनिया और अजरबैजान दोनों ही हमारे मित्र देश हैं। हम सैन्य समाधान के विचार का समर्थन नहीं करते हैं। इससे पहले मध्य एशिया में खलीफा बनने की चाहत रखने वाले तुर्की ने ऐलान किया था कि अगर अजरबैजान की ओर से अनुरोध आया तो वह अपनी सेना को भेजने के लिए तैयार है। सुपरपावर रूस के पड़ोसी देशों आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच नागोर्नो–काराबाख इलाके पर कब्जे के लिए जंग चल रही है और अगर तुर्की इसमें शामिल होता है तो तीसरे विश्व युद्ध का खतरा पैदा हो जाएगा।

तुर्की के उपराष्ट्रपति फौत ओकताय ने कहा है कि अगर अजरबैजान की ओर से सेना भेजने का अनुरोध आता है तो तुर्की अपने सैनिकों और सैन्य सहायता को देने से हिचकेगा नहीं।

एस–400 टेस्ट पर तुर्की के राष्ट्रपति ने अमेरिका को दी धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंकारा। रूस के एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम पर नाटो के दो सदस्य देशों अमेरिका और तुर्की के बीच तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने सुपरपावर अमेरिका को खुलेआम धमकी दी है। एर्दोगान ने कहा कि अमेरिका नहीं जानता है कि वह किसका सामना कर रहा है। हम कोई कमजोर राष्ट्र नहीं बल्कि तुर्की हैं। उन्होंने एक बार फिर से स्पष्ट किया कि तुर्की रूस से खरीदे गए एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम का परीक्षण बंद नहीं करेगा।

एर्दोगान ने रविवार को मलाटया शहर में कहा, अमेरिका नहीं जानता है कि वह किसका सामना कर रहा है। आपने हमसे कहा कि हम एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को रूस को वापस कर दें लेकिन हम कोई कमजोर राष्ट्र नहीं हैं। हम तुर्की हैं। तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा, आप (अमेरिका) हमारे खिलाफ जो कुछ भी प्रतिबंध लगाना चाहते हैं, लगा दीजिए। देर मत करिए। उन्होंने कहा कि हमने अमेरिका को F–35 फाइटर जेट के लिए पैसा दिया है लेकिन अभी तक हमें फाइटर जेट नहीं मिला है। बता दें कि रूस के एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्ट्म को लेकर अमेरिका और तुर्की के बीच विवाद गंभीर रूप लेता जा रहा है।

फ्रांस के राष्ट्रपति पर इमरान खान ने बोला हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पैगंबर मोहम्मद साहब के कार्टून को लेकर तुर्की और फ्रांस के बीच चल रहे विवाद में अब पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान कूद पड़े हैं। पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मेक्रों जानबूझकर अपने नागरिकों समेत मुस्लिमों को भड़का रहे हैं। इससे पहले इस्लामिक कट्टरपंथ पर पाकिस्तान के नए आका तुर्की के राष्ट्रपति तैयप रेसेप एर्दोगान ने फ्रांस के राष्ट्रपति को दिमागी जांच करवाने की सलाह दे डाली थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को ट्वीट किया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने (मैक्रों) इस्लामोफोबिया को बढ़ावा देने का रास्ता चुना है तभी तो आतंकवादियों पर हमला करने की बजाय इस्लाम पर हमला किया।

पाकिस्तान में खुलेआम उठी आजाद बलूचिस्तान की मांग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बलूचिस्तान से लगातार गायब होते लोगों का मुद्दा उठा

क्वेटा। पाकिस्तान में इमरान खान सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए विपक्षी पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट की ओर से आयोजित तीसरी रैली में आजाद बलूचिस्तान देश को बनाने की मांग से पाकिस्तान में विवाद पैदा हो गया है। PDM की इस जोरदार रैली में जमियत उलेमा–ए–पाकिस्ध्तान के नेता औवैस नूरानी ने आजाद बलूचिस्तान बनाए जाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान की जनता को लुटेरे और डाकू लूट रहे हैं, हम उसे निजात दिलाएंगे।

आजाद बलूचिस्तान देश बनाए जाने के इस ऐलान से इमरान खान सरकार को तीखी मिर्ची लगी है। बलूचिस्तान के कठपुतली मुख्ध्यमंत्री जाम कमला खान अलयानी ने नूरानी के बयान की निंदा की और कहा कि क्या यह पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट की रैली है या बीजेपी की? उन्होंने कहा कि पीडीएम के नेता बलूचिस्तान को एक छोटा प्रांत बनाना बंद करें।

विपक्ष की रैली में बलूचिस्तान से लगातार गायब होते लोगों का मुद्दा उठा। मरियम नवाज शरीफ ने पाकिस्तानी सेना और आईएसआई पर निशाना साधते हुए कहा कि बलूचिस्तान से लोग गायब हो रहे हैं और इमरान सरकार खामोश बैठी हुई है। दरअसल, चीन के उपननिवेश बनते जा रहे पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ड्रैगन ने अरबों डॉलर का निवेश किया है। यह इलाका प्राकृतिक संसाधनों से भरा हुआ है और यहां से खनिज निकालकर पाकिस्तान के सेना के प्रभाव वाला पंजाब राज्य और ज्यादा अमीर होता जा रहा है।

बलूचिस्तान को स्थानीय लोगों की जमीनी लेकर उसे चीन को दी जा रही हैं और स्थानीय लोग इसका विरोध करते हैं तो उन्हें आईएसआई उठा ले जाती है। बाद में उनकी लाशें मिलती हैं। पाकिस्तानी सेना के इस क्रूर कार्रवाई का स्थानीय जनता जोरदार तरीके से जवाब दे रही है।

इमरान सरकार के खिलाफ विपक्ष की तीसरी रैली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान में इमरान खान सरकार इन दिनों विपक्ष के निशाने पर है। एफटीएफए की ग्रे लिस्ट में बने रहने के फैसले से एक ओर दुनियाभर में पाकिस्तान की फजीहत हो रही है। वहीं अपने देश में भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को विपक्ष की घेराबंदी का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को मुख्य विपक्षी दलों ने बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में सुरक्षा खतरों के बावजूद रैली निकाली और इमरान खान से इस्तीफा देने की मांग की।

बता दें कि 11 विपक्षी दलों का पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) गठबंधन 20 सितंबर को बनाया गया था। इससे पहले यह गठबंधन इस महीने गुजरांवाला और कराची में दो बार सफल शक्ति प्रदर्शन कर चुका है। क्वेटा के अयूब स्टेडियम में रैली शुरू होने के साथ ही एक विस्फोट भी हुआ, जिसमें तीन लोग मारे गए जबकि सात घायल हो गए। यह घटना रैली स्थल से 35 से 40 मिनट की दूरी पर स्थित है। पुलिस के अनुसार एक मोटरसाइकिल में एक आईईडी लगाया गया था।